संयुक्त अरब अमीरात फेडरल नेशनल काउंसिल (संसद) में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

फेडरल नेशनल काउंसिल के स्पीकर, महामहिम सक़र घोबाश जी, यूएई के फेडरल नेशनल काउंसिल के माननीय सदस्यगण और, देवियो और सज्जनो,

UAE की संसद, यानि, मजलिस वतन इत्तिहादी (फेडरल नेशनल काउंसिल) के अंदर आप सभी से मिलना और इस सभा को संबोधित करना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है।

मैं भारत की जनता, भारतीय संसद और अपनी ओर से संयुक्त अरब अमीरात के माननीय प्रेसिडेंट और अबू धाबी अमीरात के रूलर, महामहिम शेख खलीफा बिन जायद बिन अल नाहयान का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ, उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ।

मैं UAE के माननीय प्राइम मिनिस्टर और वाइस प्रेसिडेंट तथा दुबई के रूलर महामहिम शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मखतूम; और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस तथा UAE की सेना के डिप्टी सुप्रीम कमांडर महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को भी भारत की जनता और संसद की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

महामहिम, अबू धाबी नगर ऐतिहासिकता और आधुनिकता का एक अद्भुत संगम है। आपके भावपूर्ण अतिथि सत्कार के लिए आपका हार्दिक आभार।

भारत और UAE के बीच मित्रता और सहभागिता का एक लंबा इतिहास है। दोनों देशों के बीच प्राचीन काल से ही सांस्कृतिक, आर्थिक समेत विभिन्न क्षेत्रों में घनिष्ठ संबंध रहे हैं। हमारे राजनेताओं तथा नागरिकों के एक दूसरे के देशों में नियमित यात्राओं के कारण हमारे बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध रहे हैं तथा People to People संपर्क रहा है। हमारे संबंधों की यह मजबूती ही आज दोनों देशों के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का आधार है।

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय विषयों पर विचारों की समानता ने इस संबंध को और गहरा बनाया है। हमारे दोनों देश शांति, सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे आपसी महत्व के विषयों पर सहयोग कर रहे हैं।

महामहिम

भारत इस वर्ष अपनी स्वतन्त्रता के गौरवशाली 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है जबकि UAE अपने गठन के 50 वर्ष पूरे होने पर 'Year of 50th' मना रहा है। अपनी स्थापना के पचास वर्षों में UAE समृद्धि, प्रगति एवं विकास के उच्चतम स्तर तक पहुँचा है। यह आपके परिश्रम और लगन का परिणाम है।

आपको इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारत की जनता, संसद तथा व्यक्तिगत रूप से मेरी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

यह हमारे लिए और भी हर्ष का विषय है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। वर्तमान वर्ष दोनों देशों के लिए एक एतिहासिक अवसर है और साथ ही, यह दोनों देशों के लिए एक मौका भी है कि जब हम एकजुट होकर अपनी मित्रता और साझेदारी को और सशक्त करें ताकि दोनों देशों की जनता को इसका अधिकतम लाभ मिल सके।

महामहिम, हाल के वर्षों में भारत और UAE के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों का स्वरूप और व्यापक हुआ है। हमारे गहन आर्थिक व्यापारिक संबंध अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल गए हैं। वर्ष 2015 में हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी की UAE की यात्रा, 2016 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस का भारत दौरा तथा अभी 18 फरवरी को दोनों देशों के नेतृत्व के बीच वर्चुअल बैठक से हमारे संबंध और भी प्रगाढ़ हुए हैं। हमारे दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) ने द्विपक्षीय संबंधों को एक नया आयाम देने के साथ साथ भावी आर्थिक विकास का आधार भी तैयार किया है।

महामहिम, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 75 वर्षों की यात्रा में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इस दौरान हमारा लोकतंत्र और हमारी लोकतान्त्रिक संस्थाएं और सशक्त

हुई हैं। सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के कारण आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह हमारे लिए एक असाधारण उपलब्धि है।

महामहिम, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है। UAE के संविधान की तरह भारत का संविधान भी समानता एवं नागरिक स्वतंत्रता पर आधारित है। UAE शासन द्वारा पिछले वर्षों में लोकतंत्र को व्यापक आधार देने तथा संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जो निर्णय लिए गए हैं, उनका मैं स्वागत करता हूँ, सराहना करता हूँ।

महामहिम, UAE में 3.5 मिलियन (35 लाख) भारतीय हैं, और यह समुदाय हमारे आपसी संबंधों को और सशक्त एवं जीवंत बना रहा है। आपके देश में प्रवासियों को कार्य करने तथा आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए सबसे अनुकूल परिवेश प्राप्त है। इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। भारतीय समुदाय UAE में रहने वाले प्रवासी समुदायों में सबसे बड़ा है और इस समुदाय ने देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह समुदाय भारत और यूएई को जोड़ने वाले एक सेतु की भूमिका निभा रहा है और दोनों देशों को और अधिक निकट ला रहा है।

मैं, भारत के लोगों की ओर से महामहिम क्राउन प्रिंस के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने यहाँ रहने वाले भारतीयों के लिए मंदिर निर्माण की पावन पहल की है।

महामहिम, भारत और UAE की आर्थिक साझेदारी क्षेत्रीय और वैश्विक समृद्धि का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। विगत कुछ वर्षों में UAE ने अपनी आर्थिक व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाने के प्रयास किए हैं। आज UAE एक नालेज (Knowledge) आधारित इकोनॉमी तथा वित्तीय हब के रूप में उभरा है। विशेष रूप से दुबई आज नवाचारों का केंद्र बन गया है। मुझे खुशी है कि यहां पर भारतीय स्टार्ट-अप्स काफी संख्या में मौजूद हैं।

भारत में भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए तेजी से नए प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से भारत आज विश्व का अग्रणी इनवेस्टमेंट डेस्टिनेशन है।

हम UAE की कंपनियों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए भारत में निवेश हेतु आमंत्रित करते हैं। भारत में डिजिटल इकोनॉमी, मानव संसाधन और स्मार्ट शहरीकरण की दिशा में की जाने वाली पहलों से नए

अवसरों का सृजन हो रहा है, जिसका UAE की कंपनियां लाभ उठा सकती हैं। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के बाद दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग एवं व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसरों की तलाश की जानी चाहिए।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा IT के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में UAE ने पिछले वर्ष एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की जब आपके उपग्रह 'होप' ने मंगल ग्रह के ऑर्बिट तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। मैं UAE की जनता और नेताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ।

भारत अंतरिक्ष और IT के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को UAE के साथ साझा करने तथा इस माध्यम से आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार है।

महामहिम, भारत सदैव ही विश्व में शांति के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों का सदैव विरोध किया है। मैं UAE में हाल ही में हुए आतंकी हमले की कड़े और स्पष्ट शब्दों में निंदा करता हूँ।

मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे देश के लोग इन आतंकवादी हमलों के सामने नहीं झुकेंगे। मैं यहां पर विशेष उल्लेख करना चाहता हूँ कि इस हमले में मारे गए दो भारतीयों के परिवारों को UAE नेतृत्व ने जितनी तत्परता से सहायता दी, वह सराहनीय है।

वैश्विक सुरक्षा, स्थिरता और सतत विकास के लिए यह आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद की चुनौतियों से लड़ने के लिए एकजुट हों।

धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद से बढ़ते खतरों और हमारे लोगों की सुरक्षा और संरक्षा के संबंध में हमारी साझी चिंता वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक परिदृश्य में हमारे सहयोग को नया रूप दे रही है।

मैं क्राउन प्रिंस महामहिम शेख मोहम्मद के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता प्रदान किए जाने की मांग का समर्थन किया।

महामहिम, विगत दो वर्षों से अधिक समय से संपूर्ण विश्व वैश्विक महामारी से प्रभावित है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के परिप्रेक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय एकता और सहयोग की जैसी आवश्यकता आज महसूस हो रही है, वैसी कभी नहीं हुई। मैं UAE के नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिन्होंने इस संकटपूर्ण समय में भारत के लोगों की समुचित देखभाल की और भारत के नागरिकों को देश लौटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की।

भारत में भी हमने यह सुनिश्चित किया कि वैश्विक महामारी से लड़ने में सहयोग करने के लिए भारत के चिकित्सक और चिकित्साकर्मी UAE जा सकें।

महामहिम, भारत की संसद का वैश्विक दृष्टिकोण ''वसुधैव कुटुम्बकम'' (संपूर्ण विश्व ही एक परिवार है) के सार्वभौमिक सिद्धांत और साझे मूल्यों और ''सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के हमारी सरकार के विजन पर आधारित है। अत: हमारी संसद देश की जनता के दूरगामी और समावेशी विकास एवं कल्याण के लक्ष्य को साकार करने के लिए सतत प्रयासरत है।

हमारी संसदीय शासन व्यवस्था में जनता ही सभी प्राधिकारों का स्त्रोत होती है। संसद हमारे देश की सर्वोच्च प्रातिनिधिक संस्था है। हमारी संसद के सदनों में ही देश के निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की शिकायतों को व्यक्त करते हैं, और उनकी समस्याओं के समाधान ढूंढते हैं।

महामहिम, भारत दोनों देशों की संसदों और संसद सदस्यों के बीच और अधिक सहयोग की आशा रखता है। हम चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच संसदीय शिष्टमंडलों का नियमित आदान प्रदान हो ताकि संसदीय राजनय को और मजबूती मिल सके। हमारा यह दृढ़ विश्वास है कि नियमित अंतराल पर होने वाले ऐसे विचार-विनिमय से दोनों पक्षों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर मिलेगा एवं इससे द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे।

विगत वर्ष सितंबर में मुझे वियना में आयोजित संसद के अध्यक्षों के पांचवे विश्व सम्मेलन के दौरान फेडरल नेशनल काउंसिल के माननीय स्पीकर, सक़र घोबाश जी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ था, जिसमें हमने आपसी हित के कई विषयों पर चर्चा की थी।

महामहिम, मैं आप सभी के साथ यह साझा करना चाहता हूँ कि हमारी संसद में स्थित संसदीय लोकतन्त्र, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा सांसदों, विधायकों, नीति निर्माताओं, सिविल सेवकों और अन्य लोगों के लिए प्रशिक्षण और प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। मैं फेडरल नेशनल काउंसिल ऑफ यूएई के सदस्यों और कर्मचारियों को भारतीय संसद में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करता हूं। हमें संयुक्त अरब अमीरात के सांसदों और संसद के अधिकारियों का क्षमता निर्माण करने में सहयोग देकर बहुत खुशी होगी।

महामहिम, आपके कुशल नेतृत्व में, हम अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करने में सफल रहे हैं। हमारी साझेदारी की सफलता संयुक्त अरब अमीरात के प्रेसिडेंट महामहिम शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निजी प्रयासों के माध्यम से ही संभव हो पाई है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में हमारे संबंध और भी मजबूत होंगे।

अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को उद्देश्यपूर्ण और कार्योन्मुखी बनाने की दृष्टि से हमने अपने संबंधों की महत्वाकांक्षी रुपरेखा तैयार की है। मुझे विश्वास है कि हमारी साझेदारी के 3 E अर्थात एनर्जी, एकोनॉमी और प्रवासी (एमिग्रेंट) के स्तंभों पर दोनों देशों के साझा हित और मजबूत होंगे, हमारे संबंध और प्रगाढ़ होंगे।

महामहिम, मैं आपके आतिथ्य सत्कार के लिए आपका पुनः आभार व्यक्त करता हूं। मुझे विश्वास है कि संयुक्त अरब अमीरात में हमारे संसदीय शिष्टमंडल का यह दौरा दोनों देशों के बीच संसदीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, दोनों देशों की समृद्ध सांस्कृतिक संपर्कों को मजबूत करने और दोनों देशों की सरकारों और जनता के बीच संपर्क को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

धन्यवाद।